हाउस ऑफ़ सेवेन गेबल्स

सात कोनों की छत वाला घर

नथेनिएल हाथ्रोन

लेखक के सम्बंध में

नथेनिएल हाथ्रोन का जन्म सेलम, अमरीका में 1804 में हुआ था. मेन के बओडीन कॉलेज में उन्होंने शिक्षा पायी. न्यू-इंग्लैंड के लेखकों में उनका एक विशिष्ट स्थान था.

अपने समय की आपा-धापी से दूर वह एक शांत जीवन व्यतीत करते थे. अनुराग-विहीन पालन-पोषण के कारण वह अभिमानी हो गए थे और संसार से अलग-थलग रहते थे.

पैंतालीस की आयु में उन्होंने वह कहानी- *द स्कारलेट लैटर* - लिखी जो कई वर्षों से उनके मन थी. उनके मन की छटपटाहट इस कहानी में देखी जा सकती है.

हाउस ऑफ़ सेवेन गेबल्स उनका दूसरा उपन्यास था. इस कहानी में उन्होंने दर्शाया है कि किस तरह एक पुराने घर के रहस्य उस घर में रहने वाले लोगों के जीवन पर प्रभाव डालते हैं.

हाउस ऑफ़ सेवेन गेबल्स

सात कोनों की छत वाला घर

नथेनिएल हाथ्रोन

लगभग दो सौ वर्षों से पिंचन परिवार अपने सात कोनों की छत वाले घर में रहता आया था....
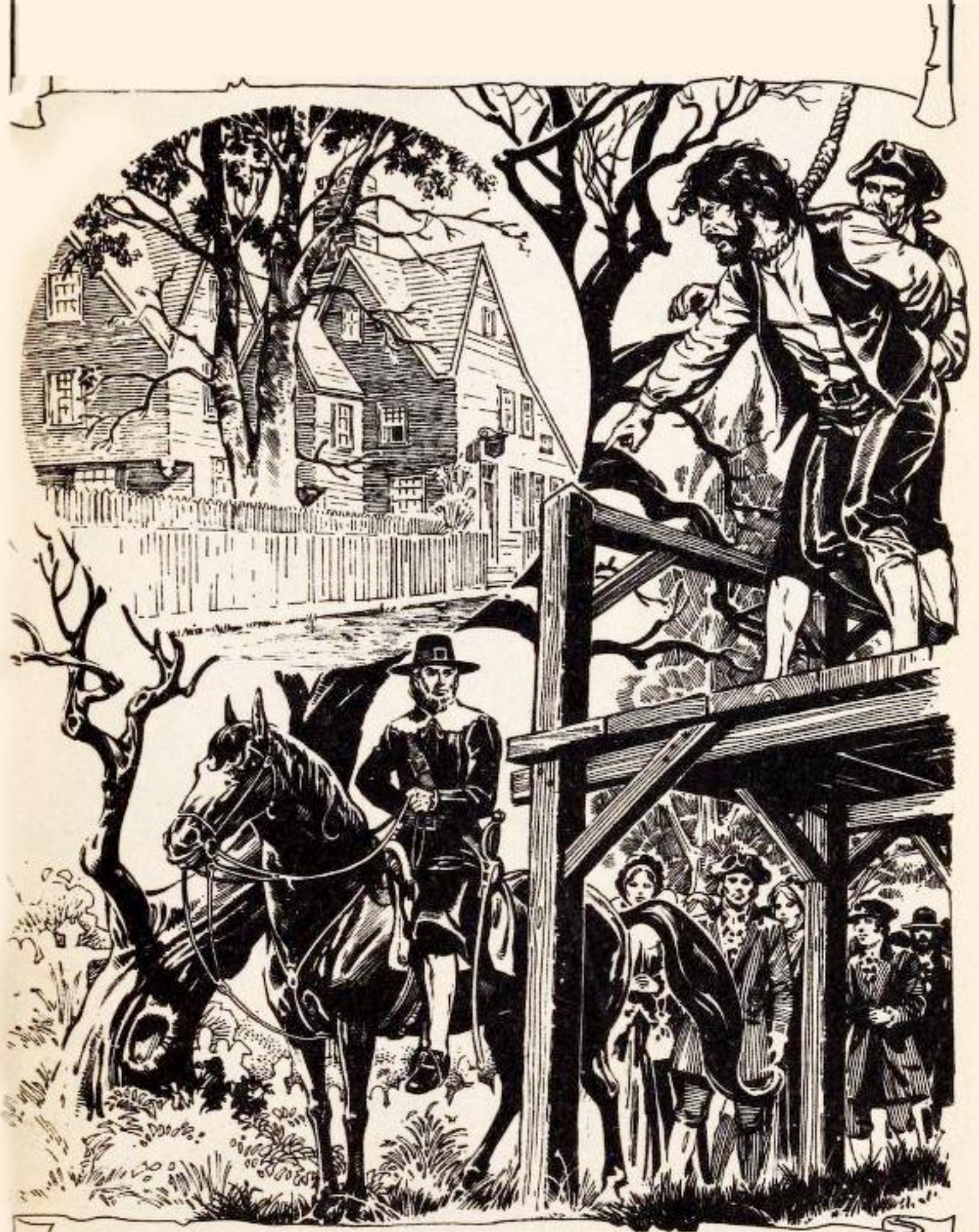
बूढ़े मैथ्यू मौले ने परिवार को श्राप दे रखा था. जादू-टोना करने के अपराध में जब वह फांसी पर लटकने को तैयार खड़ा था तब उसने चिल्ला कर कर्नल पिंचन से कहा था, "ईश्वर तुम्हें पीने के लिए लहू देंगे."

मैथ्यू मौले ने ही इस जगह पर अपने लिए पहला घर बनाया था.

हमारे नये घर के लिये यह जगह अच्छी है.

इस चश्मे का पानी भी कितना शुद्ध और अच्छा है.

सागर के पास ऐसा चश्मा तो चमत्कार ही है.

मैथ्यू ने स्वयं जंगल साफ किया था.

उसने अपने हाथों से अपना पहला छोटा-सा घर बनाया था.
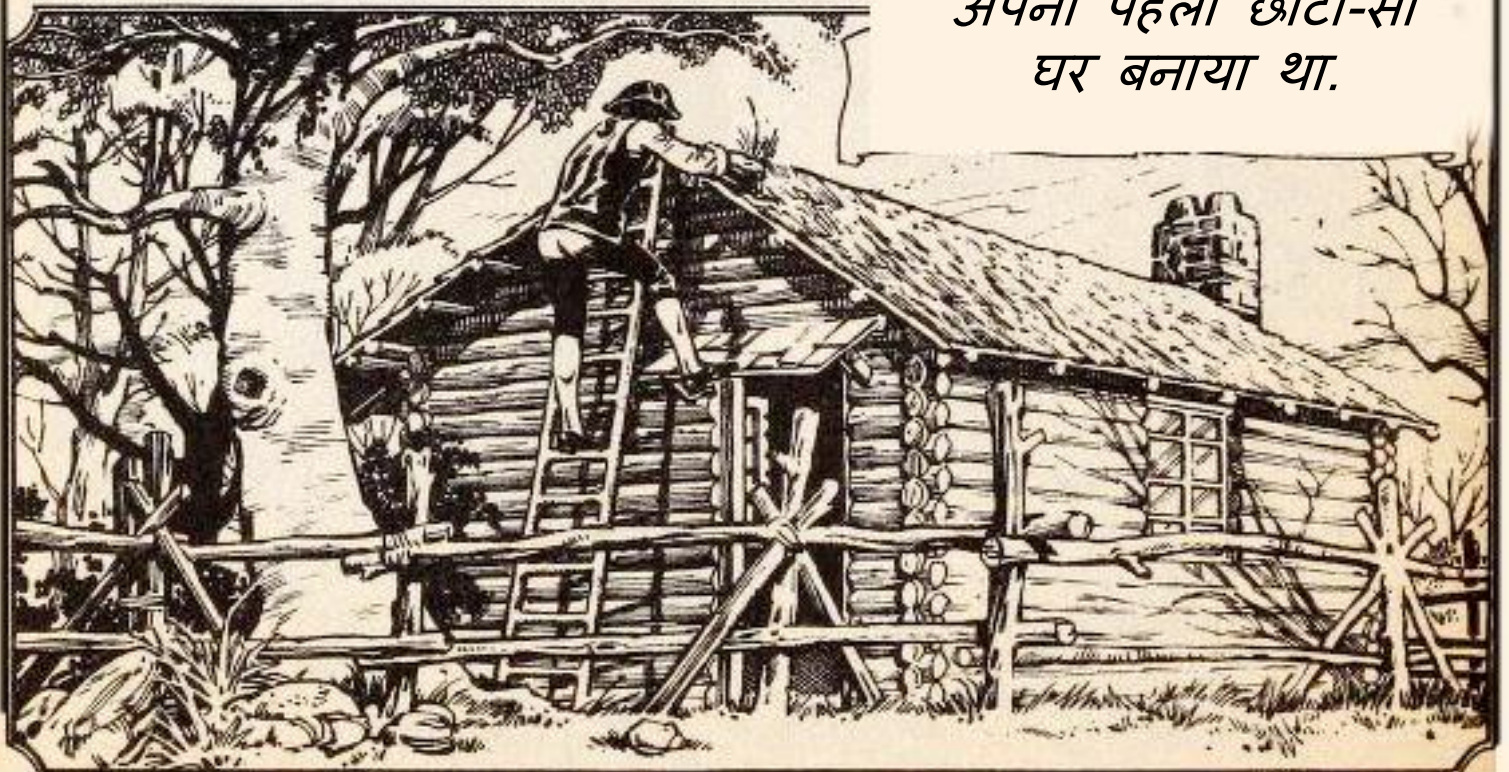
फिर चालीस वर्षों में नगर की उन्नति हुई और मैथ्यू की ज़मीन भी मूल्यवान हो गई.

परिवार के लिये जो घर मैं बनाना चाहता हूँ उसके लिये यह सही जगह है.

क्या मौले इसे बेचेगा?

लेकिन कर्नल पिंचन अपने अधिकार को प्रमाणित न कर पाया. फिर वह दिन आया जब मैथ्यू मौले पर जादू-टोना करने के लिये मुक़द्दमा चला.

मैथ्यू मौले, 'गैलोज़ हिल' पर तुम्हें फांसी दी जायेगी!

कर्नल मौले की ज़मीन लेना चाहता है- वही उसके विरुद्ध सब से अधिक बोला था!

फांसी पर लटकने से पहले मौले ने कर्नल पिंचन से कहा.

ईश्वर तुम्हें पीने के लिये लहू देंगे!

फिर वह ज़मीन कर्नल पिंचन को मिल गई. गाँव के लोग उसकी योजना के बारे में बातें करने लगे.

लेकिन एक अनोखी बात हुई. जिस चश्मे का पानी वर्षों तक मीठा और शुद्ध था, वह खारा हो गया.

मौले के चश्मे को क्या हुआ?

तहखाने के लिये ज़मीन में गहरी खुदाई करने से पानी खराब हुआ है!

शायद इस कारण या किसी और भी बुरे कारण! लेकिन मैं जानती हूँ, यह पानी पीया तो बीमार हो जाओगे!

एक अन्य बात चर्चा का विषय बन गई थी.
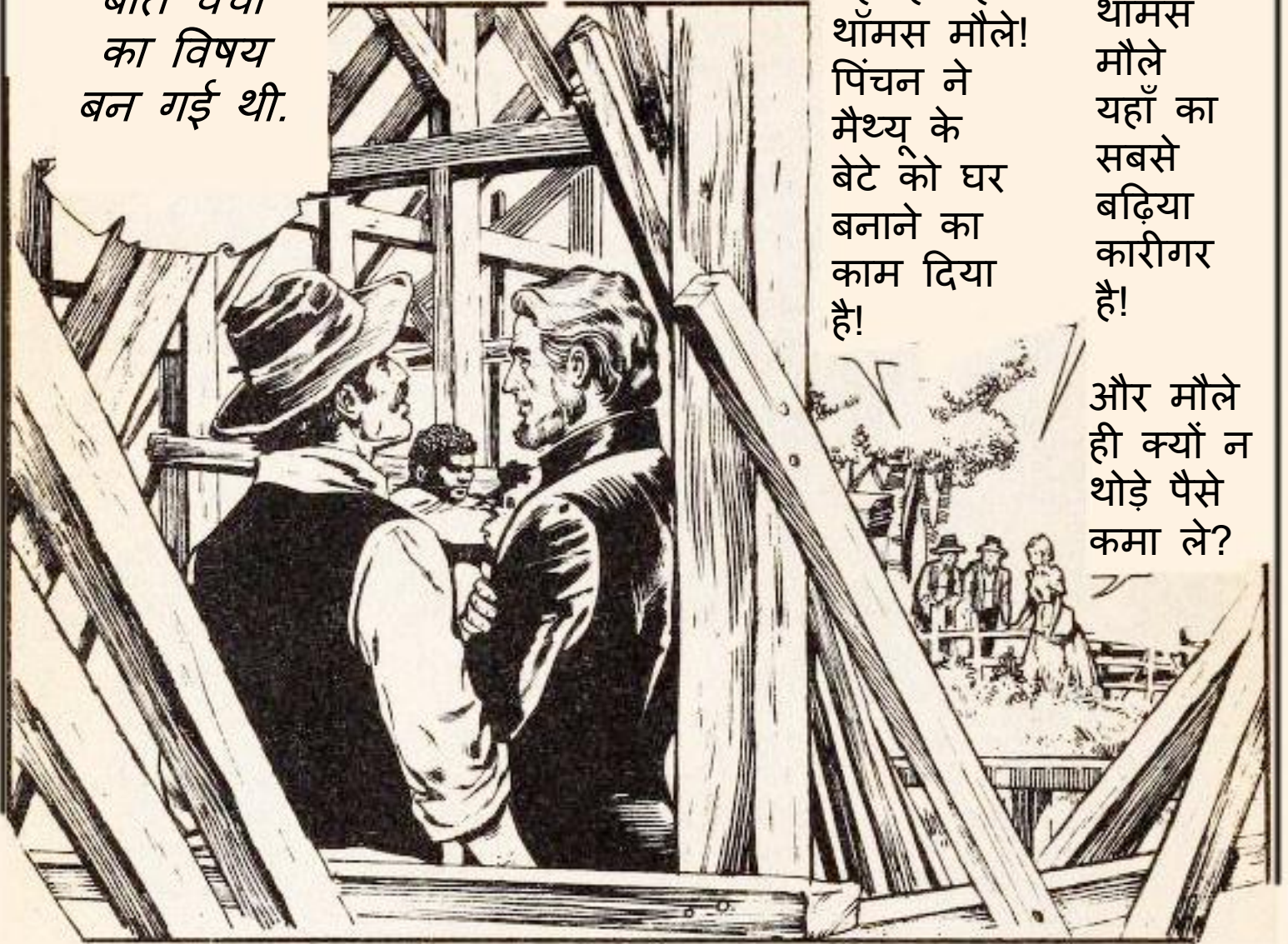
वहां है वह- थॉमस मौले! पिंचन ने मैथ्यू के बेटे को घर बनाने का काम दिया है!

ठीक ही तो है! थॉमस मौले यहाँ का सबसे बढ़िया कारीगर है!

और मौले ही क्यों न थोड़े पैसे कमा ले?

थॉमस मौले ने 'सात कोने की छत वाले घर' का बहुत बढ़िया निर्माण किया. घर का निर्माण पूरा होने पर कर्नल पिंचन ने नगर के सब लोगों को निमंत्रण दिया. पहले पादरी का प्रवचन होना था, फिर बढ़िया दावत.

रेवरेंड मिस्टर हिग्गिन्सन प्रवचन देंगे.

हर तरह की शराब होगी! मुझे तो यही बात अच्छी लगी!

और भुना हुआ मांस, मछली! खाने की खुशबू तो यहाँ तक आ रही है!

लेकिन कुछ गड़बड़ थी. काउंटी के शैरिफ़्फ़ ने एक नौकर से कहा.

मैं जानता हूँ कि वह कुछ देर अकेला रहना चाहते थे. लेकिन अगर वह मुख्य अतिथि का स्वागत न कर पाए तो वह तुम पर नाराज़ होंगे? उन्हें अभी बुलाओ!
मैं नहीं बुला सकता. वह अपेक्षा करते हैं कि मैं आदेश का पालन करूं. आप दरवाज़ा खोल लें!
कोई बात नहीं शैरिफ्फ़! कर्नल को अब बाहर आकर मित्रों की आवभगत करनी ही चाहिए. मैं उन्हें बुलाता हूँ.
लेफ्टिनेंट गवर्नर ने ज़ोर से दरवाज़ा खटखटाया.
इतना बहुत है.
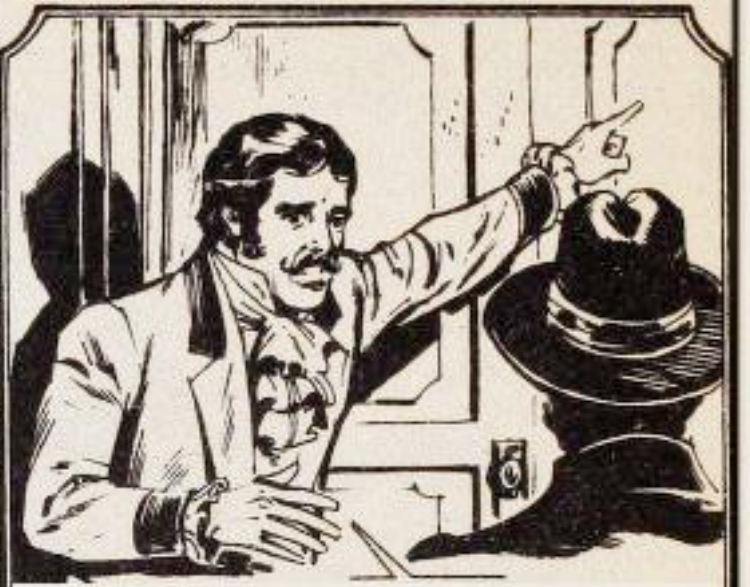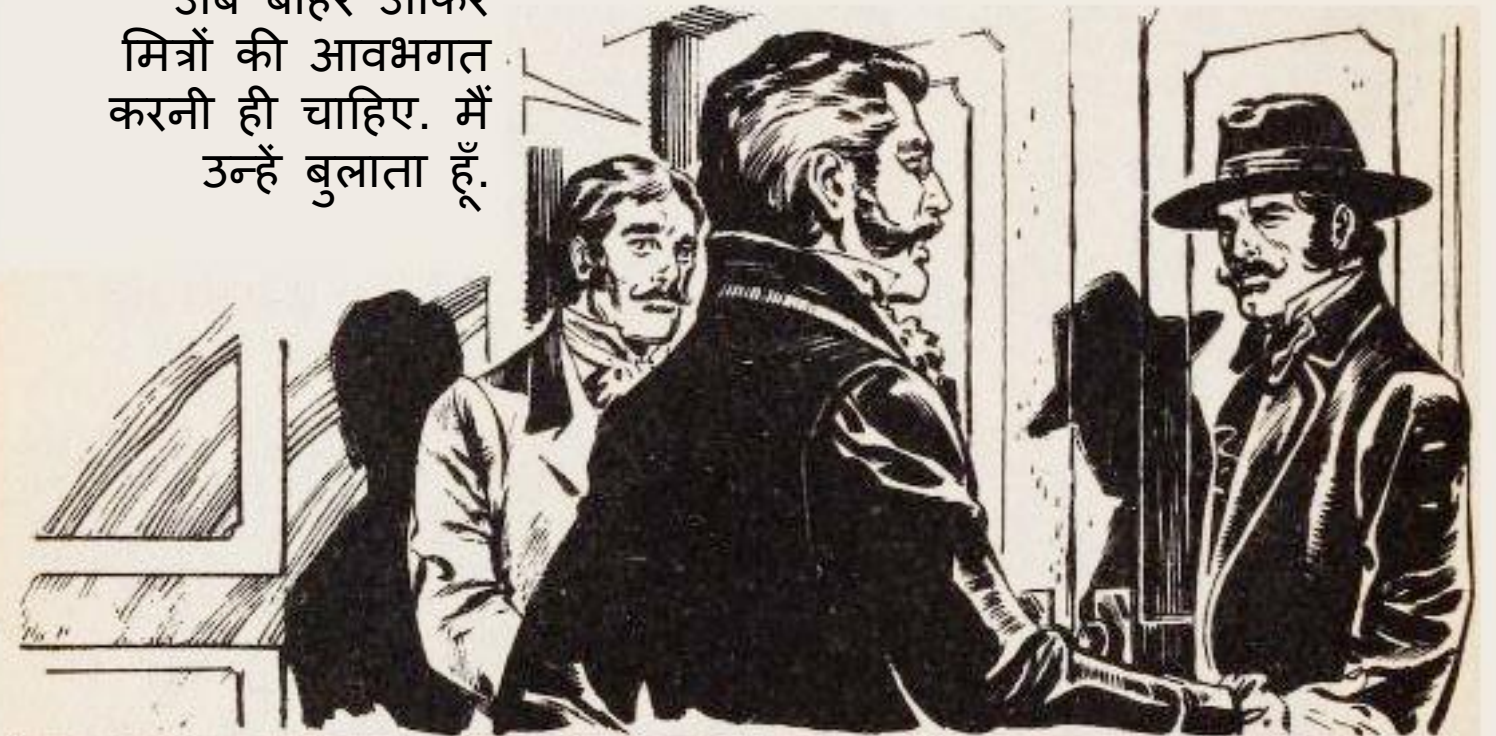
पर कर्नल ने कोई उत्तर न दिया.
उन्होंने दुबारा खटखटाया.

गुस्से में आकर लेफ्टिनेंट गवर्नर ने अपनी तलवार की मूठ दरवाज़े पर ज़ोर से मारी.

लेकिन अभी भी कर्नल ने कोई उत्तर न दिया. उन्होंने दरवाज़ा खोलना चाहा. तभी आंधी का तेज़ झोंका आया और दरवाज़ा धड़ाम से खुल गया. उस झोंके से औरतों की स्कर्टें और पुरुषों के बालों की टोपियाँ उड़ गईं.

अजीब बात है! बहुत ही अजीब!
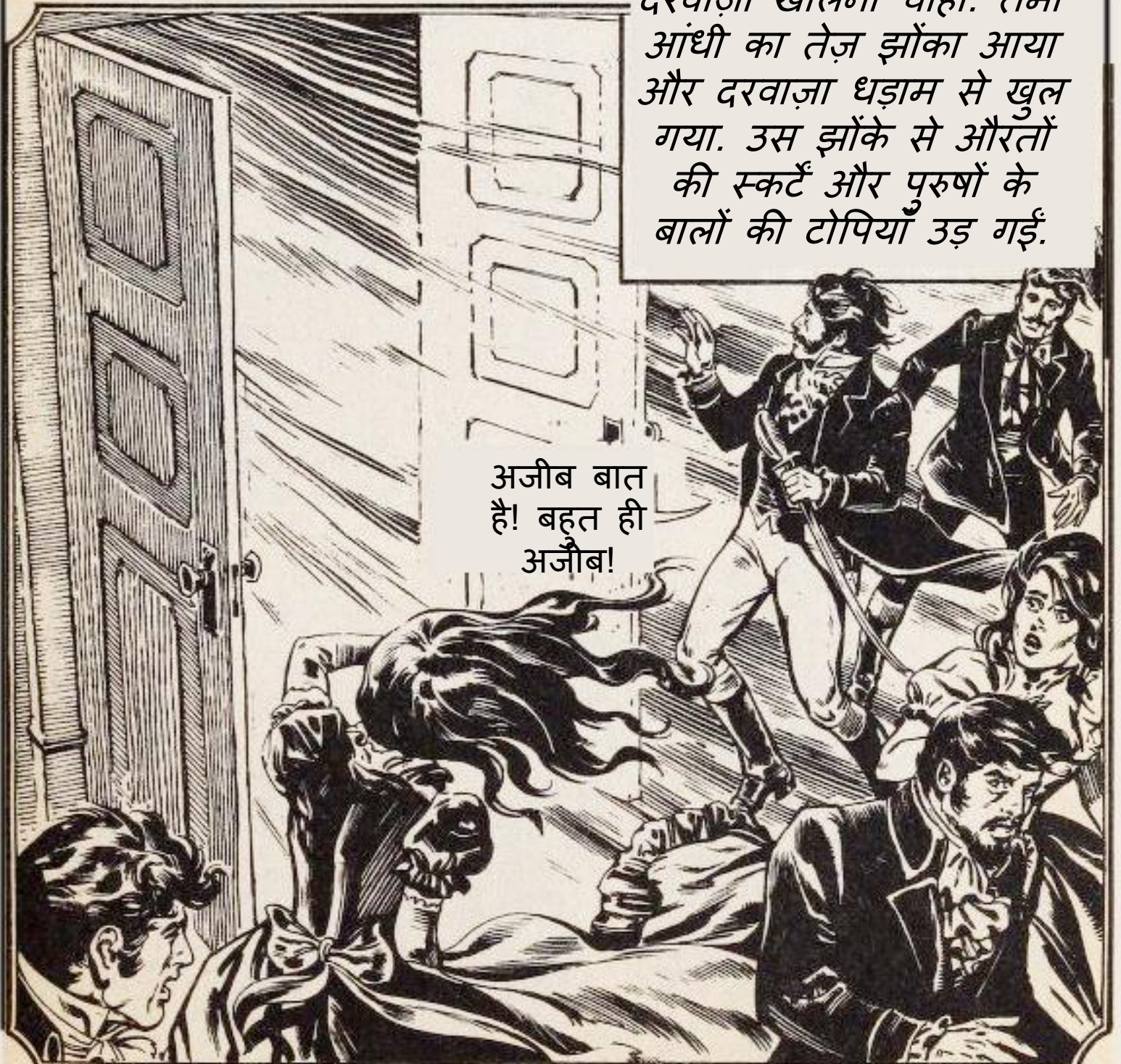
कुछ लोग कमरे के अंदर गये.
पहले तो लोगों को सब ठीक ही लगा.
वे गुस्से में हैं !

कर्नल का छोटा पोता अपने दादा की ओर भागा.
दादा जी! दादा जी!

अचानक डर कर वह रुक गया.

फिर रोता हुआ वहां से भाग गया.
माँ! माँ!

मेहमान निकट आये तो सब समझ गए.
मृत्यु हो गई है! अपने नये घर में!
कर्नल पिंचन मर गये हैं!

उनके कालर में लहू लगा हुआ था और दाढ़ी भी लहू में भीगी हुई थी.
मौले का श्राप सत्य हुआ! ईश्वर ने पीने के लिये इन्हें लहू दिया!

मृत्यु के कई कारण बताये गये.
लोग कहते हैं कि उनके गले पर अँगुलियों के निशान थे!
और कालर पर खून में भीगे हाथ का निशान था, ऐसा मैंने सुना!
उनके पास एक खिड़की खुली थी....और किसी ने एक आदमी को बाग़ की दीवार लांघ कर भागते हुए देखा था.

लेकिन जिन डॉक्टरों ने इस विषय पर चर्चा की थी उन्हें अपनी बात का पूरा विश्वास था.
कोई संदेह नहीं है, सज्जनों, कि यह रक्ताघात का मामला था.
हम सहमत हैं, सर!

और अदालत में कॉरोनर के ब्यान से कोई भी विवाद न कर पाया.
क्या आप ने निर्णय ले लिया है?
हाँ श्रीमान... प्राकृतिक कारणों से अचानक मृत्यु हुई!
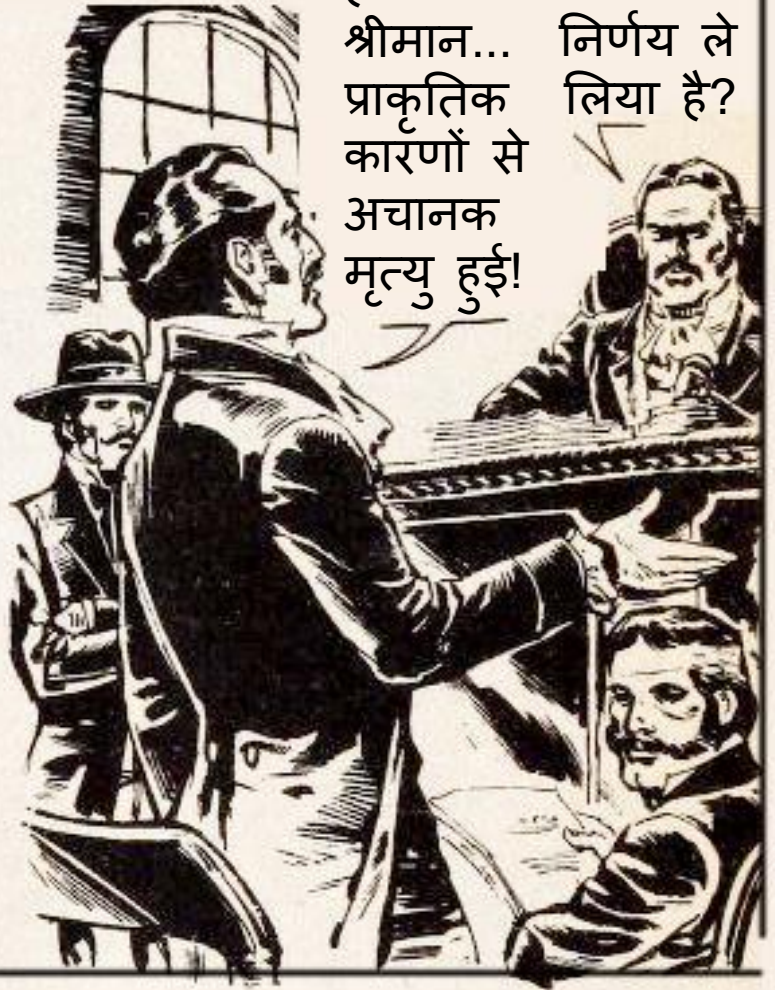
कर्नल पिंचन बहुत संपत्ति छोड़ गये थे. उनका वकील उनके बेटे से बात करने आया.
मेन में ज़मीन के बड़े टुकड़े पर आपके पिता अधिकार जताते थे. पर यह प्रमाणित नहीं हुआ कि वह उसके मालिक था.
मैं जानता हूँ. उन्होंने ज़मीन एक इंडियन से ली थी. अदालत ने निर्णय दिया था कि अगर खरीद का कोई दस्तावेज़ था तो उनका अधिकार कानूनी होगा.

वह बड़ी ज़मीन है जहां चाँदी और न जाने क्या- क्या है. पिंचन परिवार के सब लोगों ने उसके बारे में सुन रखा है.
लेकिन कोई भी लिखित दस्तावेज़ न मिला था. बस दीवार पर लटका एक नक्शा ही था जो पिंचन परिवार को इसकी याद दिलाता था.

कई वर्ष बीत गये. कई पिंचन पैदा हुए और मर गए, फिर सिर्फ पाँच ही बचे थे. 'सात कोने की छत वाला घर' पुराना हो गया. बूढ़ी मिस हेप्ज़िबाह लगभग अकेले ही उस घर में रहती थी.

एक दिन भोर होते ही वह उठी और प्रार्थना करने लगी.

हे ईश्वर, आपकी कृपा से ही मैं यह कर पाऊँगी!
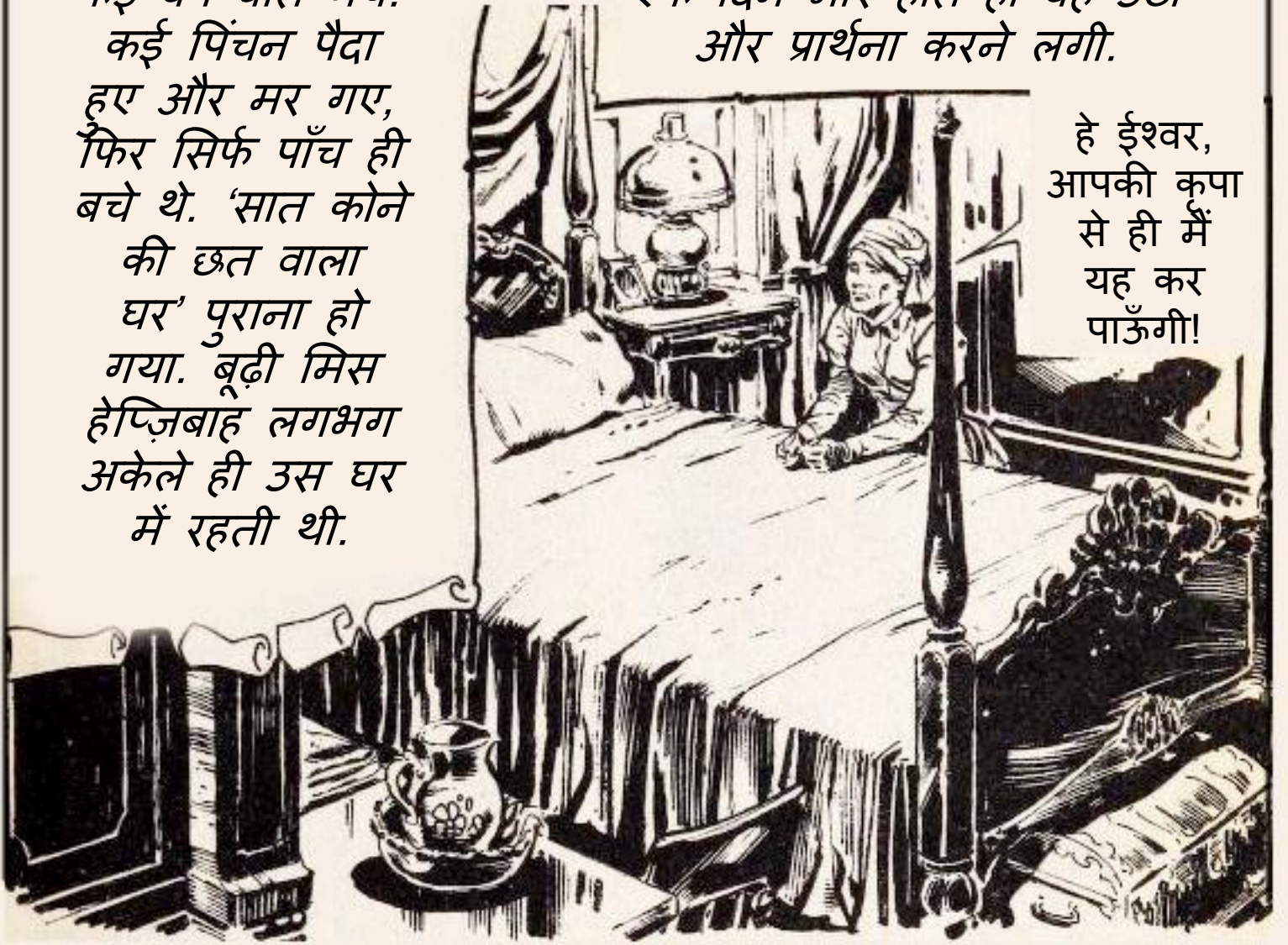
प्रार्थना पूरी कर, उसने दराज से एक सुंदर युवक की तस्वीर निकाली.

तस्वीर को रख कर वह आईने के पास गयी और अपने आंसू पोंछे.

कोई सौ वर्ष पहले किसी एक पिंचन ने घर की पहली मंजिल पर एक दूकान खोली थी. उसकी मृत्यु के बाद तो वहां धूल ही जमा हुई थी. लेकिन कुछ दिन पहले ही हेप्ज़िबाह ने दुकान की सफाई कर, खाने की चीज़ें और कुछ अन्य वस्तुएं इकट्ठी की थीं. अब वह वहां आई.

काश, मैं मर गयी होती और परिवार के मक़बरे में दफ़न होती! संसार बहुत निर्दयी है और मैं बूढ़ी और असहाय हूँ!
मेरा विश्वास करें, जब आप काम में व्यस्त हो जायेंगी तो यह बातें आपको परेशान नहीं करेंगी!

आज शुभ दिन है! लंबे समय से आप शिथिल बैठी थीं! अब जीवन में आप कुछ अच्छा करने जा रही हैं!
आप पुरुष हैं, मिस्टर होल्ग्राव और मैं एक स्त्री......

जब से यह घर बना है तब से इस परिवार की किसी स्त्री ने इतना साहसिक काम नहीं किया!
यह सब नये विचार हैं जो मेरी समझ के परे हैं!

अब मुझे आपका पहला ग्राहक बनना चाहिए, वह छह रोल दें....
मुझे कुछ और पल एक स्त्री ही रहने दो! मैं अपने इकलौते मित्र से पैसे नहीं ले सकती.

होल्ग्राव के जाने के बाद मिस पिंचन थोड़ा प्रफुल्लित महसूस करने लगी. फिर उसने बाहर लोगों की बातें सुनी.

क्या दृश्य है! पुराने पिंचन हाउस में, पिंचन एल्म के नीचे, बूढ़ी पिंचन कन्या दूकान चला रही?

क्या लगता है तुम्हें, वह दुकान चला पायेगी? वहां मोड़ पर एक और दूकान भी तो है.

दुकान की घंटी बजी तो वह फिर चौंक पड़ी.

काउंटर के दूसरी ओर उसने अपना पहला ग्राहक देखा.

टिंग.. टिंग!

ईश्वर, कृपा करो!

हाँ, बच्चे....

मिस पिंचन ने वह खिलौना उठा कर दिया तो लड़के ने एक पैनी उसे दी.

दरवाज़ा बंद करने के लिये जब मिस पिंचन आगे आई तो उसने देखा कि लड़का बाहर खड़े-खड़े ही जिंजरब्रेड खा रहा था.

उसने खिड़की में जिंजरब्रेड का दूसरा खिलौना रखा ही था कि दरवाज़े की घंटी फिर बजी.

लड़का चला गया. मिस हेप्ज़िबाह ने अपनी पहली कमाई एक दराज़ में रख ली.

कई ग्राहक आये. कुछ प्रसन्न हुए, कुछ नहीं.
जिंजर बियर नहीं है? रूट बियर नहीं है? तंबाकू नहीं है? किस प्रकार की दूकान है आपकी?

इस दुकान में यीस्ट नहीं है? अच्छा होगा आप दुकान बंद कर दें!
शायद आप ठीक कह रही हैं.

दुपहर बाद, दुकान को देखने के लिये, एक सज्जन रास्ते के दूसरी ओर रुक गये.
ह..म ...

खिड़की के पास खड़ी हेप्ज़िबाह से आँखें मिलने पर उनकी त्योरी मुस्कराहट में बदल गई और वह थोड़ा झुके.
हेलो, कज़न जेफरी, आप ने मेरी दुकान देखी.
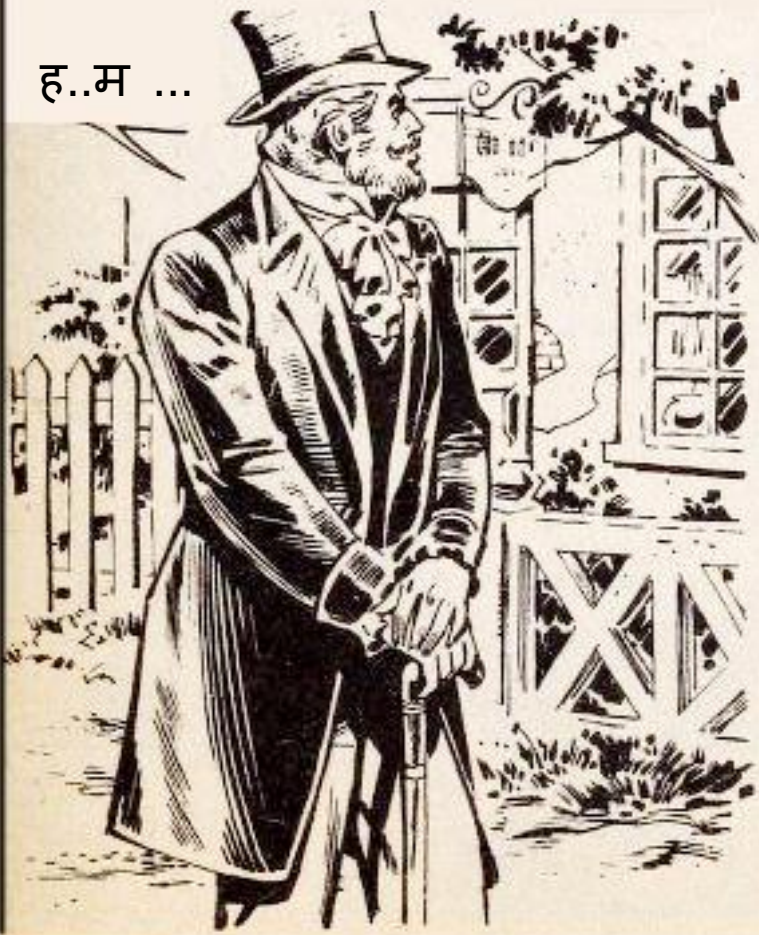
यह सज्जन थे जज जेफरी, पिंचन परिवार के एक धनी सदस्य.

जो इच्छा हो वही समझें! लेकिन एक बात आप जान लें, जब तक मैं जीवित हूँ पिंचन हाउस मेरा ही रहेगा!

पिछली बैठक में आकर हेप्ज़िबाह एक पुरानी तस्वीर को देखने के लिये रुक गई.

जेफरी हंसना चाहता है तो हंसे. वह कर्नल पिंचन जैसा ही दिखता है.

एक नया घर बनाने की आकांक्षा उसमें है. शायद एक नया श्राप पाने की भी.

घंटी बजने पर वह फिर से दुकान में आ गई. वहां उसे एक बहुत ही वृद्ध व्यक्ति, अंकल वैन्नर, दिखाई दिए.

बूढ़ों को भी नहीं. लेकिन अगर मैं बीमार हो गया तो मैं किसी फार्म में जाकर एकांत में रहना चाहूँगा.

क्या मैंने फार्म कहा? वृद्ध आश्रम ही कहना चाहिए था.
मुझे लग रहा है कि मैंने तब काम शुरू किया है जिस आयु में काम छोड़ देना चाहिए था. शायद मैं भी आपके साथ वृद्ध आश्रम चलूं!
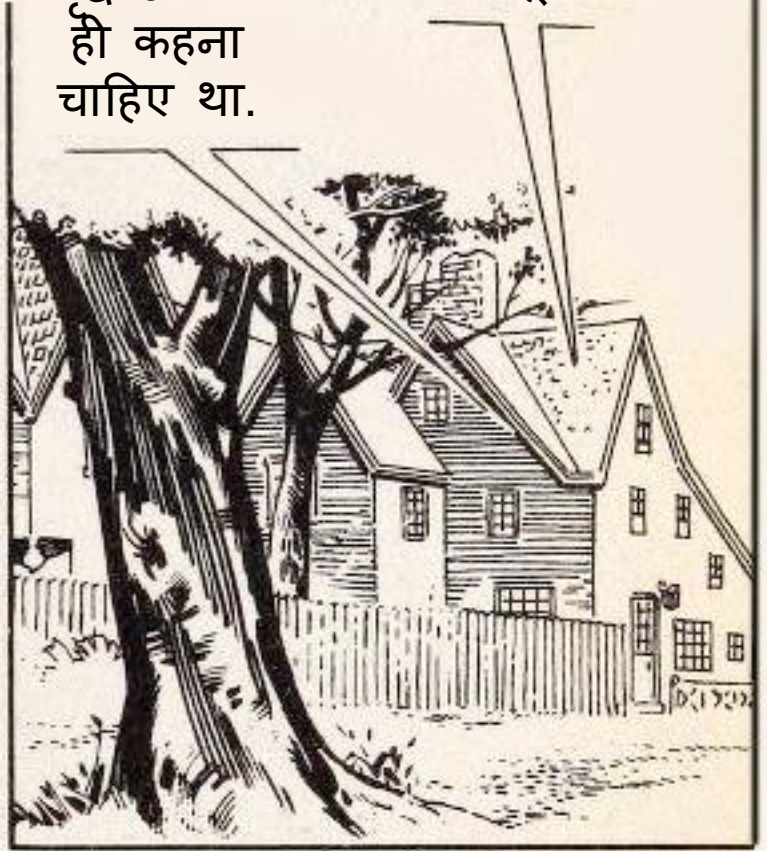
तभी वैन्नर ने भावुक हो कर हेप्ज़िबाह से धीमी आवाज़ में कहा.
तुम्हें क्या लगता है, वह कब आएगा?
ओह! आप किस की बात कर रहे हैं?

तुम यह बात नहीं करना चाहती तो हम नहीं करेंगे.....हालांकि नगर में सब यही बात कर रहे हैं. मैं तब से उसे जानता हूँ जब वह अकेले चल भी न सकता था....और तुम्हें भी, हेप्ज़िबाह.

हेप्ज़िबाह सारा दिन हक्की-बक्की सी रही. सब ग्राहकों के साथ उसने गलतियाँ कीं. आखिरकार घंटी पर कपड़ा लपेट कर उसने दुकान बंद कर दी. तभी उसे एक घोड़ा-गाड़ी दिखाई दी जो एल्म के पेड़ के पास आकर रुकी.

इस तरह पिंचन परिवार की अंतिम सदस्य, फेबि, 'सात कोनों की छत वाले घर' में आयी. उसकी माँ ने हाल ही में दूसरी शादी की थी. इसी कारण फेबि को अपने लिये नया घर ढूंढना पड़ा था. अपने किसी रिश्तेदार के पास सप्ताह भर रुकना स्वाभाविक ही था. और अगर साथ रहने में दोनों को ख़ुशी मिली तो वह लंबे समय तक भी रुक सकती थी.

अगली सुबह हेप्ज़िबाह ने फेबि को अपने कमरे में बुलाया.

जज पिंचन! जब तक मैं जीवित हूँ तब तक वह शायद ही यहाँ आयें!

फिर कौन?

हेप्ज़िबाह जल्दी से वह तस्वीर ले आई जो उसे बहुत प्रिय थी.
यह है वह-मेरा मतलब है यह उसकी तस्वीर है!

आपको इनका चेहरा अच्छा लगता है?
बहुत आकर्षक है!

यह उतना ही अच्छा है जितना किसी पुरुष का हो सकता है.....और थोड़ा-सा बालपन भी है. देखते ही इन से स्नेह हो जाता है.

इन्हें कभी कोई कष्ट न हो. इनके लिये कोई कुछ भी कर दे. यह कौन हैं, कज़न हेप्ज़िबाह?

क्या क्लिफर्ड पिंचन के विषय में कभी कुछ सुना था?
कभी नहीं! लेकिन....लगता है अपने पिता से मैंने यह नाम सुना था. क्या बहुत पहले उनकी मृत्यु नहीं हो गई थी?

नीचे जाकर जैसी ही वह नाश्ता करने बैठीं, दुकान की घंटी बजी.

सच में उसने सारा दिन दुकान चलाई. बाद में उसने कई सुझाव भी दिए.

मैं यीस्ट बनाना जानती हूँ. रूट बियर भी बना सकती हूँ. मैं मसालेदार केक बना सकती हूँ जो खूब बिकेंगे.......

हमें जिंजरब्रेड के कई खिलौने चाहियें..... और कैंडी भी....
लोगों को सस्ते किशमिश चाहिये और दूकान पर सेब भी होने चाहियें!

अंकल वेन्नर, जो दिन में भी आये थे, शाम के समय फिर आये.
देखिये! यह ढेर सारे सिक्के!
बहुत खूब! यह है एक लड़की जो अपने अंतिम दिन मेरे वृद्धाश्रम में नहीं बिताएगी.
हाँ, फेबि एक अच्छी लड़की है!

बाद में हेप्ज़िबाह फेबि को घर के अलग-अलग कमरों में ले गयी और परिवार से जुड़ी कहानियां सुनाती रही.

यह निशान लेफ्टिनेंट गवर्नर की तलवार से बने थे जब कर्नल पिंचन अंदर मृत पड़े थे.

उसने फेबि को कुर्सी पर खड़े हो कर मेन में स्थित उस ज़मीन का नक्शा देखने को कहा जो पिंचन परिवार की थी.
यह ज़मीन बहुमूल्य तो है ही, वहां चाँदी की खान भी है. जब सरकार पिंचन परिवार का अधिकार स्वीकार कर लेगी तो हम बहुत अमीर हो जायेंगे.

ऊपर उसने एक पुराने हर्प्सिकार्ड की ओर संकेत किया.
यह वाद्ययंत्र ऐलिस पिंचन का था. कोई सौ वर्ष पहले उसकी मृत्यु हुई थी.
लेकिन इसे कभी खोल कर बजाया नहीं गया?

अरे नहीं, ऐलिस बहुत सुंदर और गुणी थी. लेकिन उसकी जवानी में ही मृत्यु हो गई थी. कुछ लोग कहते हैं कि वह अब भी इसी घर में रहती है.

आगे चलते हुए उसने एक बंद दरवाज़े की ओर संकेत किया.
उस दरवाज़े के दूसरी ओर जो कमरे हैं वह मिस्टर होल्ग्राव के हैं.
क्या वह अच्छे युवक हैं?

वह शांत स्वभाव का अच्छा आदमी है लेकिन उसके मित्र बड़े अजीब है, सब लम्बी दाढ़ी रखे हुए हैं. कोई नियम-कानून नहीं मानते और अजीब चीज़ें खाते हैं.
लेकिन आप उन्हें यहाँ रहने क्यों दे रही हैं?
ऐसा नहीं है कि मैं उसे पसंद करती हूँ पर अगर उसे कहीं और जाकर रहना पड़े तो मुझे बुरा लगेगा.

फेबि गाँव की लड़की थी, उसे बाहर रहना अच्छा लगता था. शाम के समय वह बाग़ में घूमने जाया करती थी.
इस बाग़ की देखभाल कौन करता होगा? कज़न हेप्ज़िबाह तो नहीं करती होंगी!

एक कोने में उसने मुर्गियों का एक दरबा देखा.
कितनी अनोखी हैं यह मुर्गियां! मुझे ऐसा सोचना तो नहीं चाहिए पर यह मुर्गियां कज़न हेप्ज़िबाह जैसी ही दिखती हैं!

यह चूज़ा तो आपको अपना मित्र समझता है. यह जानता है की आप एक पिंचन हैं.

मैं फेबि पिंचन हूँ. क्या तुम ही कज़न हेप्ज़िबाह के बाग़ की देखभाल करते हो?

मैं मिस हेप्ज़िबाह की किचन के लिए कुछ अच्छी सब्ज़ियां लाऊँगा. हम मिल कर इस बाग़ में काम करेंगे.
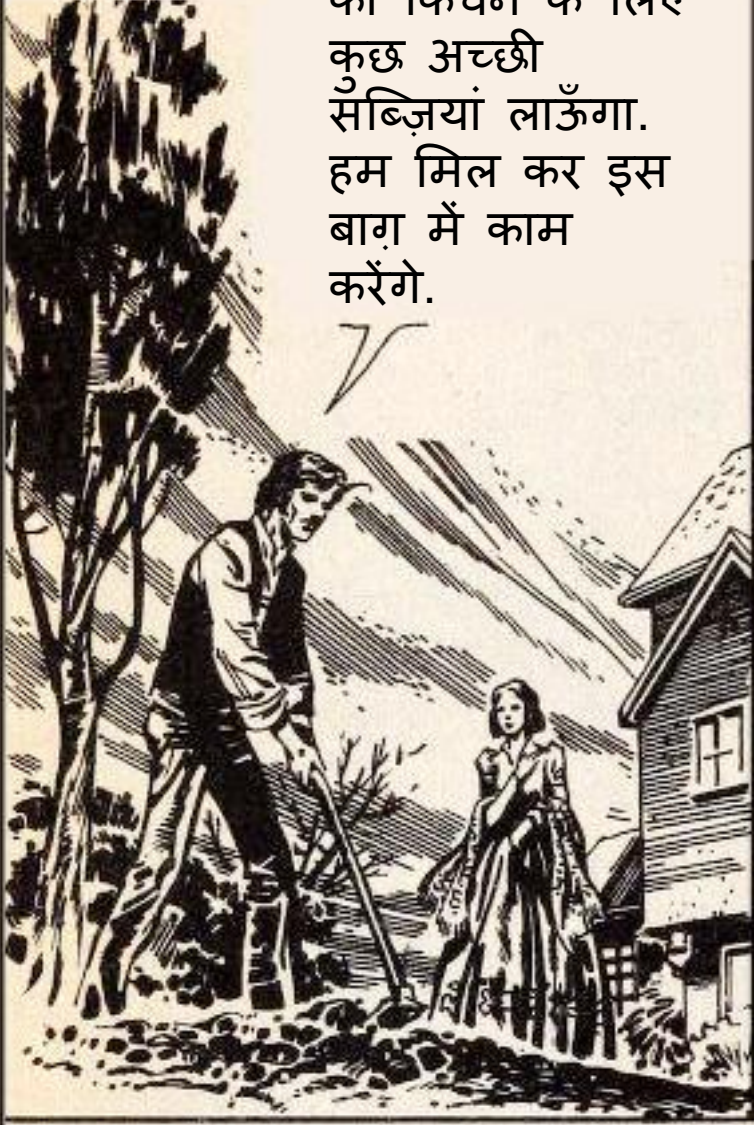
फेबि स्वयं आश्चर्यचकित थी कि रात होते-होते वह फूलों की क्यारियाँ साफ़ कर रही थी. और उस युवक के प्रति उसके मन में मित्रता का भाव जाग रहा था.
शुभ रात्री, मिस फेबि पिंचन! किसी सुहावने दिन अगर आपने बालों में गुलाब की कली लगाई तो मैं उस फूल की और फूल लगाने वाली की तस्वीर बनाऊंगा.

हेप्ज़िबाह को शुभ रात्री कहने के लिये फेबि उस धुंधले घर के अंदर गई.
मेरी प्यारी बच्ची, जाओ, सो जाओ. मैं कुछ देर बैठ कर थोड़ा चिंतन करूंगी.
शुभ रात्री, अगर आप मुझे प्यार करने लगीं हैं तो मैं बहुत प्रसन्न हूँ!

रात में फेबी अचानक जाग गई. उसने सीढ़ियों पर किसी के क़दमों की आहट और आवाजें सुनीं.
हेप्ज़िबाह हैं...लेकिन कोई और भी है...या मैं सपना देख रही हूँ?
और फेबि फिर सो गई.
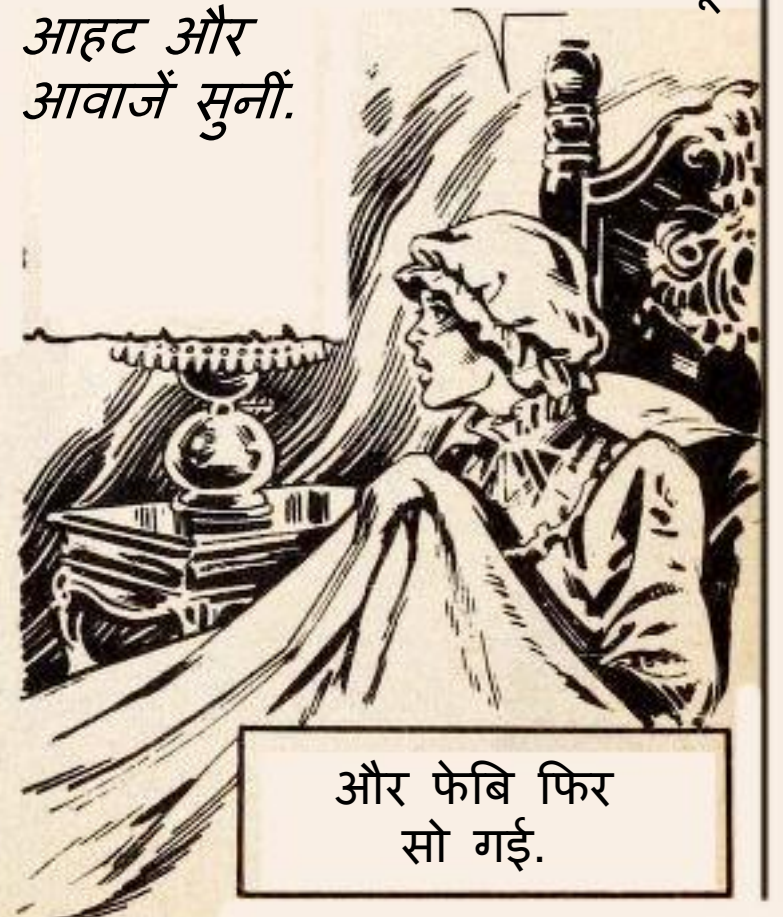
अगली सुबह जब वह नीचे आई तो देखा की मेज़ पर तीन लोगों के लिए नाश्ते के लिये पलेटें वगैरह सजीं थीं.

जैसी पगध्वनी फेबि ने रात में सुनी थी वैसी ही आवाज़ सीढ़ियों पर सुनाई दी. पगध्वनी पास आई और रुक गई. दरवाज़े का हैंडल घूमा. हेप्ज़िबाह अपने को रोक न पाई. वह जल्दी से आगे गयी, दरवाज़ा खोला और एक अजनबी को भीतर ले आई.

प्रिय क्लिफर्ड, यह फेबि है, आर्थर की इकलौती संतान. कुछ समय के लिये यह हमारे साथ यहीं रहेगी.

फेबि! आर्थर की बेटी! अह, मैं भूल गया हूँ...लेकिन कोई बात नहीं. उसका स्वागत है!

हेप्ज़िबाह क्लिफर्ड को अपने स्थान पर ले गई.
आओ क्लिफर्ड, यहाँ बैठो. हम नाश्ता शुरू करते हैं.

क्लिफर्ड हर तरफ ऐसे देख रहा था जैसे कि वह समझ न पा रहा था कि वह कहाँ था.

फेबि ने उनका चेहरा देखा. उसे लगा कि उसने उस चेहरे को पहले भी कहीं देखा था.
जो चेहरा हेप्ज़िबाह की तस्वीर में था! यह वही है!

पर यह कितने बूढ़े और थके हुए लगते हैं.

कॉफ़ी लो.
क्या यह तुम हो, हेप्ज़िबाह? क्या मुझ से नाराज़ हो? ऐसे गुस्से से क्यों देख रही हो?

क्लिफर्ड, तुम से नाराज़! मेरे मन में तुम्हारे लिये सिर्फ प्यार है! तुम घर लौट आये.

सब कितना अच्छा है. खिड़की से धूप अंदर आ रही है. एक युवती का चेहरा.......यह स्वप्न ही होगा.

फिर क्लिफर्ड ने कर्नल पिंचन की तस्वीर देखी.
हेप्ज़िबाह, वह तस्वीर! वह अशुभ है. इसे नीचे उतार दो!
मैं वो नहीं कर सकती!

फिर कम-से-कम इस पर पर्दा टाँग दो. इसे मेरे चेहरे की ओर घूरना नहीं चाहिए.

हाँ क्लिफर्ड हम इसे ढक देंगे. फेबी और मैं मिलकर यह काम आज ही करेंगे.

अचानक दुकान की घंटी की आवाज़ सुनाई दी.
हे भगवान्, हेप्ज़िबाह! यह कैसा शोर है?
यह हमारी दुकान की घंटी है.
मैं देखती हूँ कि कौन है!

प्रिय क्लिफर्ड, हम गरीब हैं. मैंने सामने वाले त्रिअंकी में एक दूकान खोली है. क्या तुम मुझ से लज्जित हो?
लज्जित? अब मैं किस बात पर लज्जित हो सकता हूँ?

अंत में नर्म और गुदगुदी कुर्सी पर बैठे-बैठे क्लिफर्ड सो गया.
मैं परदे गिरा देती हूँ और इसे यहीं सोने देती हूँ.

दुकान में फेबि ने सोने की मूठ वाला बेंत पकड़े, एक सजे-संवरे सज्जन को देखा. हेप्ज़िबाह को वहां न देख कर वह थोड़ा चकित लग रहे थे.
अच्छा! तुम मिस पिंचन की सहायक हो?
मैं...और वह कज़न-बहनें हैं. मैं कुछ दिनों के लिये यहाँ आई हूँ.
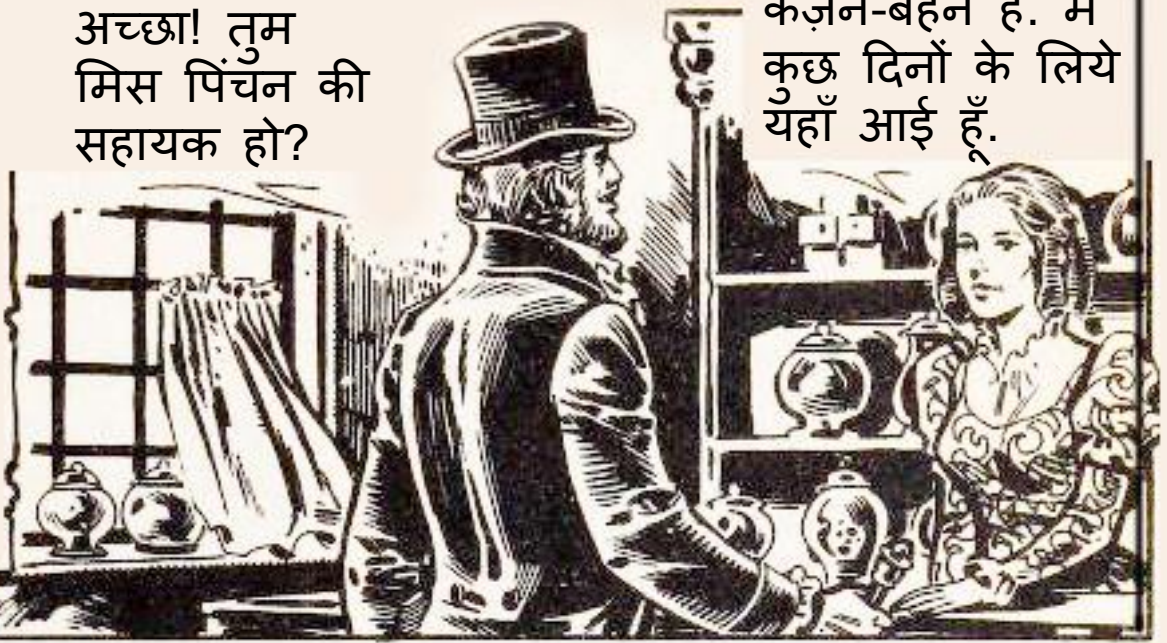
फिर तो मैं भी तुम्हारा सम्बन्धी हूँ! तुमने जज पिंचन का नाम तो सुना ही होगा?

मैं भीतर जाकर देखता हूँ कि क्या हेप्ज़िबाह और क्लिफर्ड बैठक में ही हैं.

फेबि उनको रोकने के लिये झट से दरवाज़े के सामने आ गई. लेकिन जज पिंचन ने त्योरी चढ़ा कर उसे देखा और उसे एक ओर धकेल दिया.
अच्छा होगा श्रीमान कि मैं कज़न को बुला लूँ......
नहीं, नहीं! तुम यहीं रुको!

मैं उन्हें भली-भांति जानता हूँ और इस घर को भी! यहाँ तुम अजनबी हो!

भीतर जाकर मैं उन्हें अपनी शुभ-कामनायें दूंगा!

लेकिन बैठक के अंदर हेप्ज़िबाह ने जज की आवाज़ सुन ली थी. उन्हें वहीं रोकने के लिए वह एक रक्षक समान बाहर आई.
मेरी प्रिय हेप्ज़िबाह, क्लिफर्ड को प्रसन्न रखने के लिए मैं तुम्हारी सहायता करना चाहता हूँ. उसे जो भी चाहिए....क्या मैं भीतर आकर उससे मिल लूँ?
नहीं, नहीं! वह किसी से नहीं मिल सकता!

मैं कोई मेहमान नहीं हूँ, कज़न! मुझे क्लिफर्ड की आवभगत करने दो. उसे मेरे गाँव के घर लेकर आओ. वहां की हवा उसे अच्छी लगेगी.
क्लिफर्ड का यहाँ घर है!

समझो औरत, क्लिफर्ड का सर्वनाश होने वाला है!

लेकिन मैं तुम से बात ही क्यों कर रहा हूँ? हटो....मुझे क्लिफर्ड से मिलना है!

जैसे ही जज जबरदस्ती भीतर जाने की कोशिश कर रहा था, क्लिफर्ड की सहमी-सी आवाज़ बाहर सुनाई दी.
हेप्ज़िबाह, उनके सामने झुक जाओ! उनसे विनती करो कि वह अंदर न आयें! उन्हें दूर रखो!
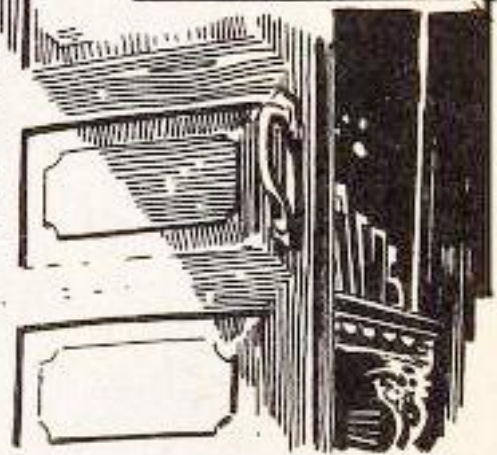
बेचारा क्लिफर्ड कितना दुःखी है, अभी मैं उससे नहीं मिलूंगा. लेकिन मैं उस पर नज़र रखूँगा.

जज मुस्कराता हुआ चला गया, जाते समय वह हेप्ज़िबाह के सामने झुका और फेबि की ओर उसने अपना सर हिलाया. हेप्ज़िबाह भयभीत हो गयी, वह फेबि के पास आई और उसके कंधे पर सर रख दिया.

जल्दी ही फेबि ने उन दोनों के जीवन में खुशियाँ भर दीं. उसके प्रेम-भाव ने क्लिफर्ड के मन नया उत्साह पैदा किया. जीवन के प्रति उसका अनुराग बढ़ने लगा. दुपहर बाद जब हेप्ज़िबाह दुकान का काम देखती, फेबि उसे बाग़ में ले आती.

कभी-कभी क्लिफर्ड ऊपर एक खिड़की के पास बैठ कर नीचे गली का दृश्य देखता.

देखो, वहां क्या हो रहा है!

पानी ले जाने वाली गाड़ी को देखना उसे अच्छा लगता था.

एक दिन गली में कैंची-
चाकू तेज़ करने वाला
आया. बच्चे घरों से
चाकू और कैंचियाँ तेज़
कराने के लिये ले आये.

एक इटालियन
लड़का बैरल
वाद्य और
बन्दर ले आया.

एक दिन
खिड़की में
बैठा क्लिफर्ड
साबुन के पानी
के बुलबुले
नीचे रास्ते पर
फूंक रहा था.
जब हम बच्चे थे,
तब उसे ऐसा
करना अच्छा
लगता था.
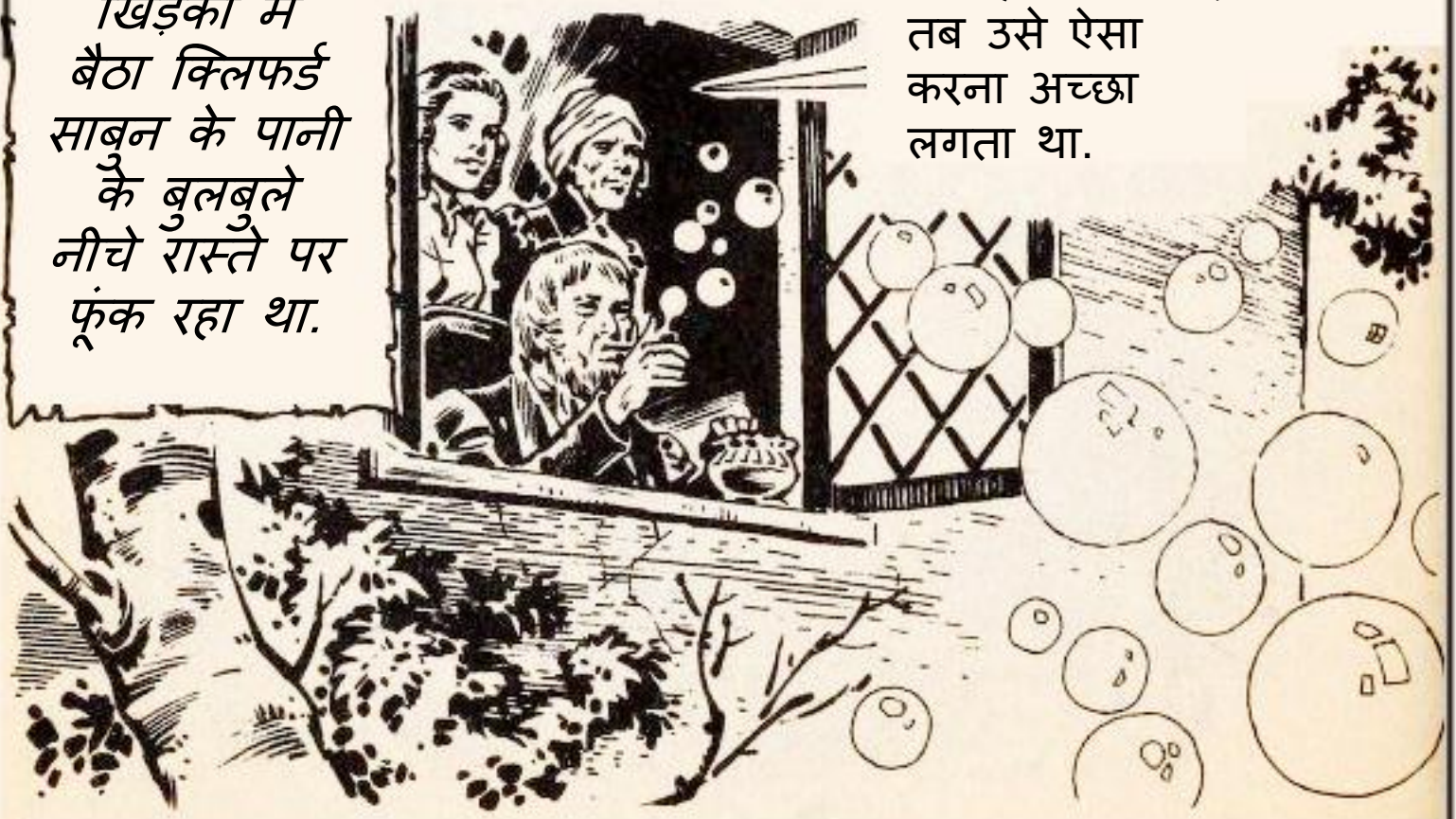
कुछ लोगों को मज़ा आ रहा था,
कुछ नाराज़ हो रहे थे.

PFFFFT

होल्ग्राव ही अकेला युवक था जिससे फेबि मिलती थी. उन में मित्रता हो गयीं थी. लंबे समय तक दोनों आपस में बातें करते थे. एक चाँदनी रात वह बाग़ में मिले.

मिस हेप्ज़िबाह ने बताया है कि कुछ दिनों में तुम गाँव वापस चली जाओगी.

हाँ, लेकिन थोड़े समय के लिये. अब मुझे यही अपना घर लगता है.

ठीक है! मुझे लग रहा है कि जो नाटक इस घर में दो सौ वर्षों से खेला जा रहा है अब उसका अंत होने वाला है.

क्या अर्थ है इस बात का? क्या उन दोनों पर कोई मुसीबत आने वाली है?

अगर ऐसा है तो मुझे बताओ, मैं रुक जाऊँगी.

मैं कुछ नहीं जानता. मुझे बस महसूस हो रहा है. मैं वचन देता हूँ कि मैं उन दोनों की हर तरह से सहायता करूंगा.

दो दिन बाद फेबि रेलवे-स्टेशन की ओर चल दी.

तूफान के साथ बारिश और आंधी के दिन आये.

पाँचवें दिन क्लिफर्ड ने बिस्तर से उठने से मना कर दिया.

घंटी की आवाज़ सुन हेप्ज़िबाह दुकान में आई.

आप उससे नहीं मिल सकते. वह बिस्तर में ही लेटा है.
क्या? तब तो मैं अवश्य मिलूंगा! वह बीमार है?

अगर उसकी मृत्यु हो गयी तो?
वह किसी संकट में नहीं है...जब तक कि आप उसे परेशान नहीं करते. वर्षों पहले आपके कारण वह मरने ही वाला था.

मैंने ही क्लिफर्ड को छुड़ाया था! और अगर अब वह मुझे अपना रहस्य नहीं बताता तो मैं जीवन भर के लिये उसे किसी पागलख़ाने भिजवा दूँगा!

मुझे लगता है कि आप पागल हैं! क्लिफर्ड कोई रहस्य नहीं जानता!
तीस वर्ष पहले जब अंकल जेफरी की मृत्यु हुई थी तब उनके लगभग सारे पैसे गायब थे. क्लिफर्ड ने मुझे कहा था कि वह जानता था की धन कहाँ था. उसे यह रहस्य मुझे बताना ही होगा.
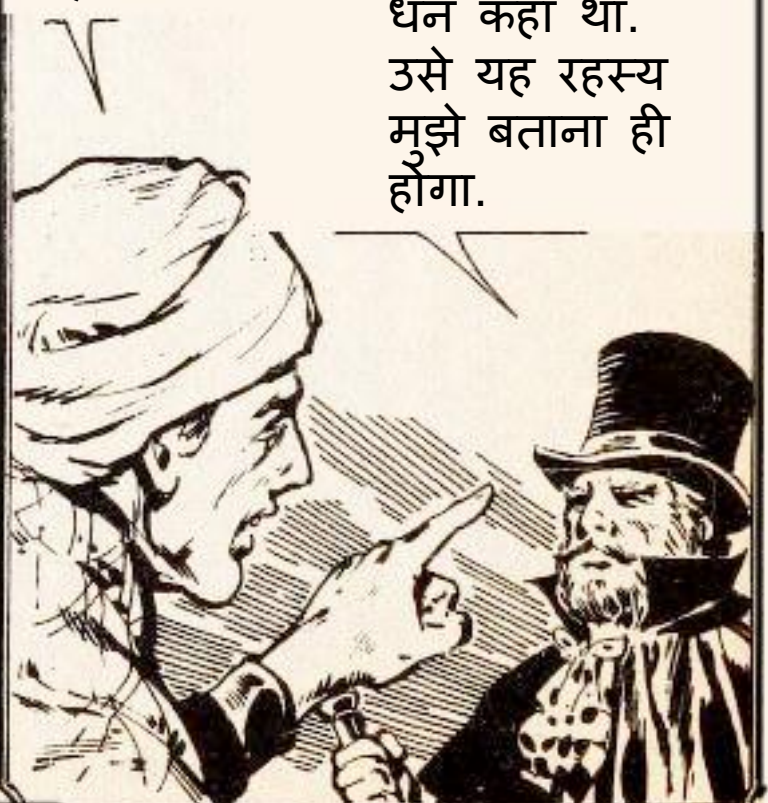
दुःखी मन से हेप्ज़िबाह क्लिफर्ड को बुलाने गई. जज बैठक के अंदर जाकर प्रतीक्षा करने लगे. वह कर्नल पिंचन की कुर्सी पर बैठ गये.

क्लिफर्ड से कहो कि तुरंत आये. आज मुझे कई महत्वपूर्ण काम निपटाने हैं.

हेप्ज़िबाह ने क्लिफर्ड के कमरे का दरवाज़ा खटखटाया.

क्लिफर्ड...मेरे भाई? क्या मैं अंदर आ जाऊं?
ठक..ठक ..

क्लिफर्ड! वह जा चुका है!

उसने घर की तलाशी ली, बाग़ में देखा. पर वह कहीं नहीं था.
वह चला गया है! उसका क्या होगा? उसे ढूँढने में जेफरी को मेरी सहायता करनी होगी.

उसने ज़ोर से बैठक का दरवाज़ा खोला.
मदद करो! मेरी बात सुन रहे हो, जेफरी?

उसी पल क्लिफर्ड स्वयं बैठक के अंदर आया.
क्लिफर्ड! यह क्या है?
देखो! हेप्ज़िबाह, अब हम नाच सकते हैं! गा सकते हैं, हंस सकते हैं, खेल सकते हैं!

क्लिफर्ड को एक ओर धकेल कर वह कमरे के अंदर गई. फिर रोती हुई तुरंत लौट आई.
हे भगवान्! हमारा क्या होगा?
चलो! यह पुराना घर हम कज़न जेफरी के लिये छोड़ देते हैं!

अपना कोट और टोप पहनो. अपने पैसे और पर्स लो और मेरे साथ चलो!
हाँ.....

स्तब्ध-सी हेप्ज़िबाह ने देखा कि वह तूफान से घिरे रास्ते पर थी और क्लिफर्ड के आदेश मान रही थी.
मैं सपना देख रही हूँ. यह सपना ही होगा!

स्टेशन पहुँच कर वह उस गाड़ी में बैठ गये जो चलने ही वाली थी.
क्लिफर्ड यह एक सपना है!
मैं इतना सजग कभी भी नहीं था!
R.R.
161
7400

कहाँ जायेंगे, श्रीमान?
जहां तक यह गाड़ी जायेगी. हम तो बस मनोरंजन के लिये यात्रा कर रहे हैं!

तेज़ गति से रास्ता पार होता रहा. क्लिफर्ड ने खिड़कियों के बाहर देखा. वह दूसरे यात्रियों से बातें कर रहा था. फिर उसकी मनोदशा बदल गयी.
आओ हेप्ज़िबाह, हम बहुत दूर आ गएँ हैं. चलो यहीं उतर जाएं.
वह एक सुनसान स्टेशन पर उतर गये.
मुझे खेद है हेप्ज़िबाह, पर अब तुम्हें सब संभालना होगा.
हे भगवान्, हम पर दया करो!

आखिरकार उस रात तूफ़ान थम गया. सूर्योदय होते ही अंकल वैन्नर बाहर आये.
मैं नहीं जानता था कि मिस हेप्ज़िबाह इतनी भुलक्कड़ हैं! मेरे सूअरों के लिए कचरा कहाँ है?

शुभ सुबह! क्या वहां नीचे कोई नहीं जागा?
कोई दिखाई नहीं दे रहा. यह घर कुछ अजीब सा लग रहा है.

कई ग्राहक आये पर दूकान को बंद पा कर नाराज़ हुए. उधर नगर में लोग जज पिंचन को ढूंढ रहे थे. लोग तरह-तरह की बातें करने लगे थे. संगीत बजाने वाला आया पर लोगों ने उसे धमका कर वापस भेज दिया.
कहीं ओर जाकर अपना तमाशा दिखाओ! लोग परेशान हैं. ऐसी अफवाह है कि जज पिंचन की हत्या हो गयी है. इसलिये यहाँ से चले जाओ!
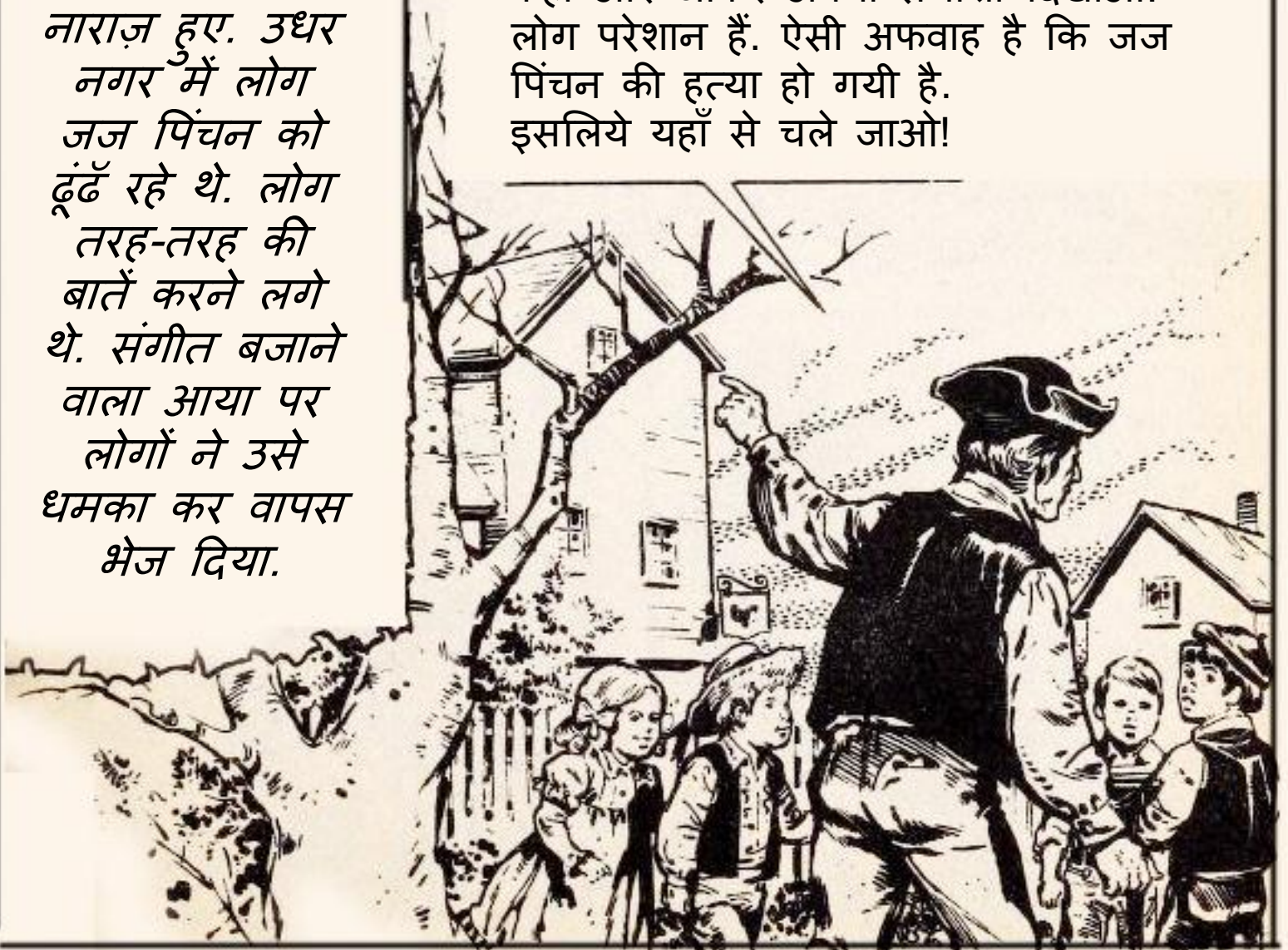
कुछ देर बाद पिंचन हाउस के सामने एक गाड़ी रुकी और फेबि गाड़ी से बाहर आई.
दुकान तो बंद है!

जिस लड़के ने जिंजरब्रेड खरीदी थी उसने फेबि को पुकारा.
नहीं, नहीं, फेबी! अंदर कुछ गड़बड़ है! अंदर न जाना!

चिंतित-सी वह घर के पिछले दरवाज़े की ओर दौड़ी. उसके खटखटाने पर दरवाज़ा खुल गया.
होल्ग्राव! मेरे दोनों कज़न कहाँ हैं?
तुम्हारे लौटने पर मुझे अधिक प्रसन्न नहीं होना चाहिये. तुम गलत समय आई हो.

हेप्ज़िबाह और क्लिफर्ड कहीं चले गये हैं....मैं नहीं जानता कहाँ.

चले गये! क्या हुआ था? मुझे बताओ.
कुछ हुआ तो है, पर उन दोनों को नहीं.
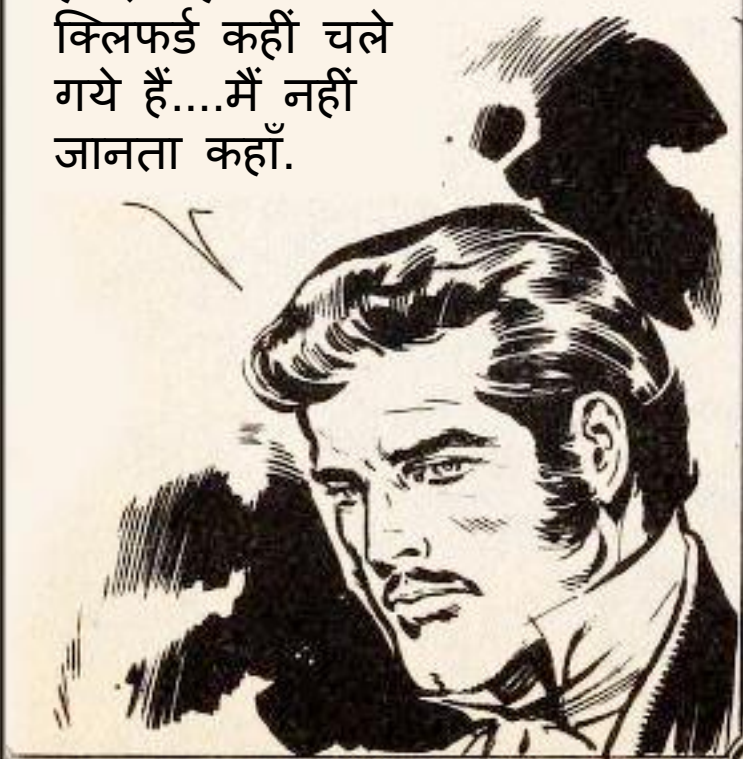
जज को मृत पाकर अगर वह दोनों घर के दरवाज़े खोल कर लोगों को बुला लेते तो यह साबित किया जा सकता था कि क्लिफर्ड पुराने मामले में दोषी न था.

लेकिन क्लिफर्ड दोषी नहीं है!

डॉक्टरों और पुलिस ने प्रमाणित कर दिया कि जज पिंचन की मृत्यु प्राकृतिक कारणों से हुई थी. जल्दी ही नगर में सब जान गए की तीस वर्ष पहले क्लिफर्ड को गलती से सज़ा हुई थी.

फेबि, हेप्ज़िबाह और क्लिफर्ड के लिये एक वकील सूचना लाया.

सूचना मिली है कि जज पिंचन की मृत्यु से पहले ही उसके बेटे की, यूरोप में यात्रा करते समय, मृत्यु हो गयी थी. आप तीनों पिंचन परिवार के अंतिम सदस्य हैं और पिंचन की सारी सम्पत्ति आप तीनों को मिलेगी.

उन्होंने निर्णय लिया कि वह "सात कोनों की छत वाले घर" से जाकर जज पिंचन के गाँव वाले घर में रहेंगे. जिस दिन उन्होंने जाना था उस दिन वह बैठक में इकट्ठे हुए.
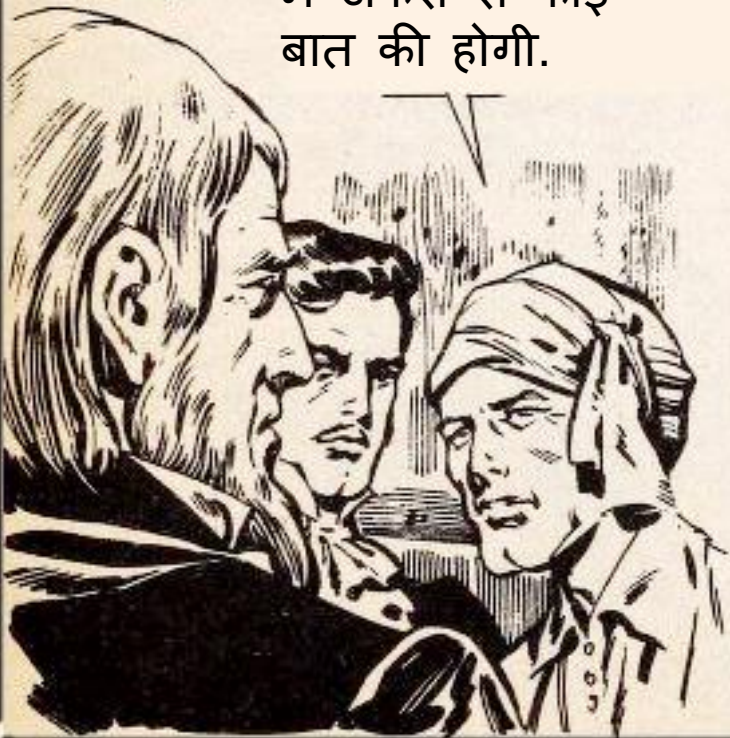
यह इंडियन लोगों का एक पुराना दस्तावेज़ है. पिंचन परिवार के सदस्य वर्षों से इसको ही खोज रहे थे. अब यह मिल तो गया है पर अब इसका कोई महत्व नहीं.

मैं इस रहस्य को वर्षों से जानता था. थॉमस मौले, जिन्होंने इस घर को बनाया था, मेरे परिवार का ही सदस्य थे. हमारे परिवार का हर बेटा अपने पिता से यह रहस्य जाने लेता था. अब मौले परिवार में मैं अकेला हूँ.
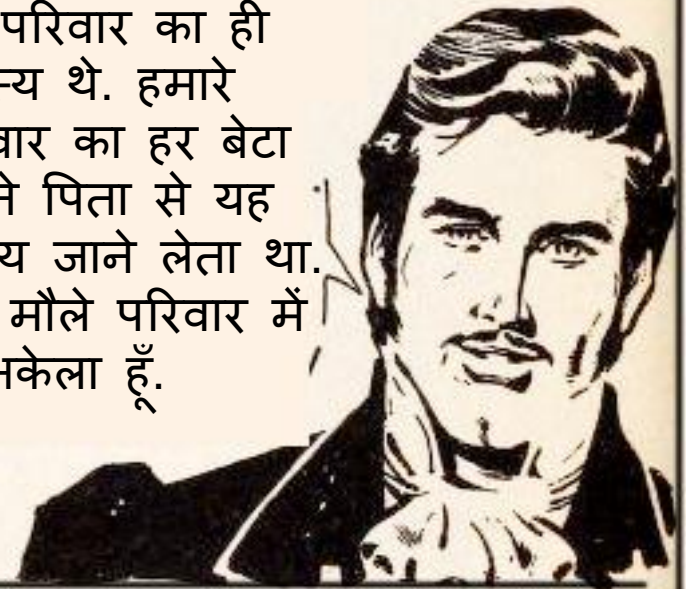
फिर फेबि ने अंकल वैन्नर का हाथ थाम लिया.

एक घोड़ा-गाड़ी घर के सामने आकर रुकी. सब उसमें बैठ गये.

यह जिंजरब्रेड के लिये है, नेड.

हम शीघ्र ही मिलेंगे, अंकल वैन्नर.

मेरी पत्नी ने तीन महीने तक दूकान चलाई और उसे पाँच डॉलर का नुक्सान हुआ. बूढ़ी पिंचन ने भी उतने समय तक कारोबार किया और दो हज़ार कमा कर जा रही है,

अच्छा कारोबार है!

अंत

THE END